# पाठ – चेतक की वीरता

## कविता का सारांश

चेतक की वीरता कविता के रचयिता श्यामनारायण पाण्डेय हैं। इन्होंने वीर रस से परिपूर्ण कविताओं का सृजन किया है। इनकी सर्वाधिक लोकप्रिय काव्यकृति हल्दीघाटी' है। इस काव्यकृति के माध्यम से कवि ने स्वतंत्रता सेनानियों में सांस्कृतिक एकता और उत्साह का संचार कर दिया था।

इस कविता (चेतक की चीरता) में राणा प्रताप के शौर्य का वर्णन किया गया है। इसमें चेतक को रणभूमि में बिजली के समान दिखाया गया है जो शत्रु की सेना पर टूट पड़ता है। वह नदियों-नालों तलवारों के बीच बिना भयभीत हुए युद्ध करता नजर आता है। चेतक एक साहसी घोड़ा है जो राणाप्रताप की रक्षा करता है। राणाप्रताप के प्रति वफादार है। उससे एक प्रकार की जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

## काव्यांशों की व्याख्या

**काव्यांश-1**

**रण-बीच चौकड़ी भर-भरकर**
**चेतक बन गया निराला था।**
**राणा प्रताप के घोड़े से**
**पड़ गया हवा को पाला था।**
**गिरता न कभी चेतक-तन पर**
**राणा प्रताप का कोड़ा था।**
**यह दौड़ रहा और मस्तक पर**
**या आसमान पर घोड़ा था।**

**शब्दार्थ –**

- **रण** – युद्ध
- **चौकड़ी भर-भरकर** – छलाँग लगाकर
- **निराला** – विशेष
- **पाला** – प्रतियोगिता
- **तन** – शरीर
- **कोड़ा** – चाबुक
- **अरि** – शत्रु
- **मस्तक** – माथा

**सन्दर्भ** – प्रस्तुत पंक्तियाँ 'चेतक की वीरता' कविता से अवतरित हैं जिसके रचयिता श्यामनारायण पाण्डेय हैं।

**प्रसंग** – इन पद्यों में राणा प्रताप के घोड़े की प्रशंसा की गई है।

**व्याख्या** – कवि कहता है कि चेतक ने वीरता से लड़ाई लड़ी है। उसने युद्ध के बीच ऊँची ऊँची छलांग भरी है जिससे वह निराला बन गया है। राणा प्रताप का घोड़ा युद्ध भूमि में इतनी कुशलता से दौड़ रहा था मानो वह हवा से प्रतिस्पर्धा कर रहा हो। राणा प्रताप का कोड़ा चेतक के शरीर पर कभी नहीं पड़ता था क्योंकि चेतक बुद्धिमान था। घोड़ा शत्रु के मस्तिष्क पर या फिर आसमान में दौड़ रहा है यह बात किसी को समझ नहीं आ रही थी क्योंकि घोड़े की रफ्तार तेज़ थी।

**काव्यांश-2**

**जो तनिक हवा से बाग हिली**
**लेकर सवार उड़ जाता था।**
**राणा की पुतली फिरी नहीं**
**तब तक चेतक मुड़ जाता था।**
**कौशल दिखलाया चालों में**
**उड़ गया भयानक भालों में।**
**निर्भीक गया वह ढालों में**
**सरपट दौड़ा करवालों में।**

**शब्दार्थ –**

- **तनिक** – जरा सा, थोडा
- **बाग** –लगाम
- **सवार** – वह जो घोड़े पर चढ़ा हो
- **पुतली** – आँख का काल भाग
- **फिरी** – घूमना
- **कौशल** -कुशलता
- **भाला** – एक शस्त्र
- **निर्भीक** – निडर
- **ढाल** – हथियार का वार रोकने वाला अस्त्र
- **सरपट** – घोड़े के भागने की बहुत तेज़ गति
- **करवाल** – तलवार

**सन्दर्भ –** प्रस्तुत पंक्तियाँ 'चेतक की वीरता' कविता से अवतरित है जिसके रचयिता श्यामनारायण पाण्डेय है।

**प्रसंग –** इन पद्यों में चेतक की रफ्तार का वर्णन किया है।

**व्याख्या –** कवि बताता है कि चेतक अपने सवार को लेकर उड़ जाता था अर्थात् राणा प्रताप थोड़ी-सी भी लगाम हिलाते घोड़ा समझ जाता कि उसे रफ्तार बढ़ानी है। राणा प्रताप की आँखें फिरि नहीं उससे पहले ही वह उस दिशा में मुड़ जाता था।

चेतक ने अपना कौशल अपनी चालों में दिखाया। युद्ध भूमि में अनेक भाले चल रहे थे। वह उनसे बिना भयभीत हुए आगे बढ़ रहा था। निर्भीक होकर वह डालों को पार करता तथा सरपट दौड़कर अपने महाराज की सुरक्षा करता था। उन्हें मुसीबत से निकाल देता था।

**काव्यांश-3**

**है यहीं रहा, अब यहाँ नहीं**
**वह वहीं रहा है वहाँ नहीं।**
**थी जगह न कोई जहाँ नहीं**
**किस अरि-मस्तक पर कहाँ नहीं।**

**बढ़ते नद-सा वह लहर गया**
**वह गया गया फिर सहा गया।**
**विकराल ब्रज-मय बादल-सा**
**अरि की सेना पर घहर गया।**

**शब्दार्थ –**

- **अरि-मस्तक** – शत्रु का माथा
- **नद** – नदी
- **विकराल** – भीषण, भयंकर
- **बज्र-मय** – पत्थर-सा कठोर, उग्र
- **घहर** – गरज, गंभीर आवाज

**सन्दर्भ –** प्रस्तुत पंक्तियाँ 'चेतक की वीरता' कविता से अवतरित है, जिसके रचयिता श्यामनारायण पाण्डेय है।

**प्रसंग –** इन पद्यों में चेतक की प्रशंसा की गई है।

**व्याख्या –** घोड़ा इतनी तेज़ दौड़ता कि लगता अभी वह यहाँ और वहाँ नहीं है। यह एक जगह पर रुकता नहीं है। उसके लिए कोई भी ऐसा स्थान न था जहाँ ठहर जाए। और यह भी न पता था कि वह शत्रु पर कब आक्रमण कर दें। नदी की बड़ी लहर के समान वह आगे बढ़ता था और फिर ठहर जाता था। ऐसा लगता था मानों कोई बादल से आक्रमण कर रहा हो। उसने शत्रु की सेना को घेर लिया था।

**काव्यांश-4**

**भाला गिर गया, गिरा निषंग,**
**हय-टापों से खन गया अंग।**
**वैरी-समाज रह गया दंग**
**घोड़े का ऐसा देख रंग।**

**शब्दार्थ –**

- **निषंग** – तरकश, तूणीर
- **हय** – घोड़ा
- **टाप** – घोड़े के पैरों का निचला हिस्सा
- **खन गया** – घायल हो गया
- **वैरी** – शत्रु
- **दंग** – हैरान

**सन्दर्भ** – प्रस्तुत पंक्तियाँ चेतक की वीरता कविता से अवतरित है जिसके रचयिता श्यामनारायण पाण्डेय है।

**प्रसंग** – इस पद्य में कवि ने बताया कि घोड़ा किस प्रकार शत्रु पर वार कर रहा है।

**व्याख्या** – कवि बताता है कि गोड़ा बड़ी कुशलता से शत्रुओं पर वार कर रहा था। शत्रुओं के भाले गिर गए और उनके अस्त्र-शस्त्र सभी गिर गए। उनके अंगों से खून टपकने लगा। शत्रुओं का समाज घोड़े की कुशलता को देखकर दंग रह गया क्योंकि वह अत्यन्त निर्भीक था।

## पाठ से

**मेरी समझ से**

**1. (क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए।**

**(1) चेतक शत्रुओं की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था?**

- चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।
- चेतक शत्रु की सेना को चारों ओर से घेरकर उस पर टूट पड़ता था।
- चेतक हाथियों के दल के समान बादल के रूप में शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था।
- चेतक नदी के उफान के समान शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था।

उत्तर – **चेतक हाथियों के दल के समान बादल के रूप में शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था। (☆)**

**(2) 'लेकर सवार उड़ जाता था।' इस पंक्ति में 'सवार' शब्द किसके लिए आया है?**

- चेतक
- महाराणा प्रताप
- कवि
- शत्रु

उत्तर – **महाराणा प्रताप (☆)**

**(ख) अब अपने मित्रों के साथ तर्कपूर्ण चर्चा कीजिए कि आपने ये ही उत्तर क्यों चुने?**

उत्तर – हमने यह उत्तर इसलिए चुने क्योंकि इन बिन्दुओं का वर्णन पाठ में किया गया है।

## पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ पढ़कर इनका क्या लिखिए।

**(क) "निर्भीक गया वह ढालों में, सरपट दौड़ा करवालों में।"**

उत्तर – इस पंक्ति से तात्पर्य यह है कि चेतक युद्ध के दौरान निर्भीक होकर भाले और तलवारों से शत्रुओं पर प्रहार करता था फिर सरपट दौड़कर बाधाओं से निकल जाता था।

**(ख) "भाला गिर गया, गिरा निषंग, हय-टापों में खन गया अंग।"**

उत्तर – इस पंक्ति से तात्पर्य यह है कि चेतक के पैरों से शत्रु बुरी तरह से घायल हो गए। उनके भाले तथा अन्य अस्त्र-शस्त्र जमीन पर गिर गए।

## मिलकर करें मिलान

**कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें इनके सही भावार्थ से मिलाइए।**

| कविता की पंक्तियाँ | भावार्थ |
|---|---|
| 1. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था। | 1. शत्रु की सेना पर भयानक बज्रमय बादल बनकर टूट पड़ता और शत्रुओं का नाश करता। |
| 2. वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर या आसमान पर घोड़ा था। | 2. हवा से भी तेज़ दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक में प्रतियोगिता हो रही हो। |
| 3. जो तनिक हवा से बाग हिली लेकर सवार उड़ जाता था। | 3. शत्रुओं के सिर के ऊपर से होता हुआ एक छोर से दूसरे छोर पर ऐसे दौड़ता जैसे आसमान में दौड़ रहा हो। |
| 4. राणा की पुतली फिरो नहीं तब तक चेतक मुड़ जाता था। | 4. चेतक की फुर्ती ऐसी कि लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही सरपट हवा में उड़ने लगता था। |
| 5. विकराल बज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया। | 5. वह राणा की पूरी निगाह मुड़ने से पहले ही उस ओर मुड़ जाता अर्थात् वह उनका भाव समझ जाता था। |

उत्तर –

| कविता की पंक्तियाँ | भावार्थ |
|---|---|
| 1. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था। | **2. हवा से भी तेज़ दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक में प्रतियोगिता हो रही हो।** |
| 2. वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर या आसमान पर घोड़ा था। | **3. शत्रुओं के सिर के ऊपर से होता हुआ एक छोर से दूसरे छोर पर ऐसे दौड़ता जैसे आसमान में दौड़ रहा हो।** |
| 3. जो तनिक हवा से बाग हिली लेकर सवार उड़ जाता था। | **4. चेतक की फुर्ती ऐसी कि लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही सरपट हवा में उड़ने लगता था।** |
| 4. राणा की पुतली फिरो नहीं तब तक चेतक मुड़ जाता था। | **5. वह राणा की पूरी निगाह मुड़ने से पहले ही उस ओर मुड़ जाता अर्थात् वह उनका भाव समझ जाता था।** |
| 5. विकराल बज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया। | **1. शत्रु की सेना पर भयानक बज्रमय बादल बनकर टूट पड़ता और शत्रुओं का नाश करता।** |

egyanarchive

## शीर्षक

**प्रश्न – यह कविता हल्दीघाटी' शीर्षक काव्य कृति का एक अंश है। यहाँ इसका शीर्षक चेतक की वीरता दिया गया है। आप इसे क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों?**

**उत्तर –** मैं इस कविता का नया शीर्षक 'निर्भीक चेतक' देना चाहूँगा क्योंकि चेतक ने बिना हरे शत्रुओं को पराजित किया था।

## कविता की रचना

*"चेतक बन गया निराला था।"*
*"पड़ गया हवा को पाला था।"*
*"राणा प्रताप का कोड़ा था।"*
*"या आसमान पर घोड़ा था।"*

**रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। इस कविता में आए तुकांत शब्दों की सूची बनाइए।**

**उत्तर –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) चालों | भालों | (v) लहर | ठहर |
| (ii) ढालों | करवालों | (vi) निषंग | अंग |
| (iii) यहाँ | वहाँ | (vii) ढंग | रंग |
| (iv) जहाँ | कहाँ | | |

## शब्द के भीतर शब्द

**"या आसमान का घोड़ा था।"**

'आसमान' शब्द के भीतर कौन-कौन से शब्द छिपे हैं? – आस, समान, मान, सम, आन, नस आदि।

अब इसी प्रकार कविता में से कोई पाँच शब्द चुनकर उनके भीतर के शब्द खोजिए।

**उत्तर –** 'बादल' शब्द के भीतर छिपे शब्द हैं – **'बाद', 'दल', 'बाल', 'दाब', 'दवा'**

## पाठ से आगे

**आपकी बात**

*"जो तनिक हवा से बाग हिली*
*लेकर सवार उड़ जाता था।"*

**(क) 'हवा से लगाम हिली और घोड़ा भाग चला' कविता को प्रभावशाली बनाने में इस तरह के प्रयोग काम आते हैं। कविता में आए ऐसे प्रयोग खोजकर लिखें।**

**उत्तर –**

*राणा प्रताप के घोड़े से*
*पड़ गया हवा को पाला था।*
*गिरता न कभी चेतक-तन पर*
*राणा प्रताप का कोड़ा था।*
*यह दौड़ रहा और मस्तक पर*
*या आसमान पर घोड़ा था।*

**(ख) कहीं भी किसी भी तरह का युद्ध नहीं होना चाहिए। इस पर आपस में बात कीजिए।**

**उत्तर –** छात्र बातचीत करें।

- **युद्ध क्यों नहीं होना चाहिए?**

1. **मानव जीवन की क्षति:** युद्ध में सैनिकों और आम नागरिकों की जानें जाती हैं। हर जीवन अनमोल होता है।
2. **आर्थिक नुकसान:** युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था तबाह हो जाती है। धन, संसाधन और समय सब बर्बाद होते हैं।
3. **प्रकृति और पर्यावरण पर असर:** बम, हथियार और आगजनी से पर्यावरण को भारी नुकसान होता है।
4. **नफरत और डर का माहौल:** युद्ध लोगों के दिलों में घृणा और असुरक्षा भर देता है, जिससे सामाजिक संबंध भी बिगड़ते हैं।

---

- **युद्ध के विकल्प क्या हो सकते हैं?**

1. **संवाद और कूटनीति (Diplomacy):** शांतिपूर्ण बातचीत से कई विवाद सुलझाए जा सकते हैं।
2. **संयुक्त राष्ट्र या वैश्विक संस्थाएं:** इनके माध्यम से मध्यस्थता कराकर देशों को बातचीत की मेज़ पर लाया जा सकता है।
3. **सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान:** आपसी समझ को बढ़ाने के लिए युवा, कलाकार, शिक्षाविदों के माध्यम से देश एक-दूसरे के करीब आ सकते हैं।
4. **साझा आर्थिक योजनाएँ:** अगर देशों को एक-दूसरे से आर्थिक लाभ हो, तो वे लड़ाई नहीं करेंगे।

---

- **निष्कर्ष:**

युद्ध से किसी का स्थायी भला नहीं होता। इतिहास ने दिखाया है कि शांति और समझौते ही स्थायी समाधान लाते हैं। इसलिए हमें व्यक्तिगत, सामाजिक और वैश्विक स्तर पर **अहिंसा**, **संवाद**, और **सद्भाव** को बढ़ावा देना चाहिए।

## समानार्थी शब्द

कुछ शब्द समान अर्थ वाले होते हैं, जैसे हय, अश्व और घोड़ा। इन्हें समानार्थी शब्द कहते हैं। यहाँ पर दिए गए शब्दों से उस शब्द पर घेरा बनाइए जो समानार्थी न हों-

**उत्तर –**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | हवा | अनल | पवन | बयार |
| 2. | रण | तुरंग | युद्ध | समर |
| 3. | आसमान | आकाश | गगन | नभचर |
| 4. | नद | नाद | सरिता | तटिनी |
| 5. | करवाल | तलवार | असि | ढाल |

egyanarchive

## आज की पहेली

**बूझो तो जानें**

**(i) तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा सीधा एक समान।**
**दिन में जगता रात में सोता यही मेरी पहचान।**

**उत्तर –** जलज

**(ii) एक पक्षी ऐसा अलबेला, बिना पंख उड़ रहा अकेला।**
**बाँध गले में लम्बी डोर, पकड़ रहा अंबर का छोर।**

**उत्तर –** पतंग

**(iii) रात में हूँ दिन में नहीं दीये के नीचे हूँ ऊपर नहीं**
**बोलो, बोलो मैं हूँ कौन?**

**उत्तर –** अंधेरा

**(iv) मुझमें समाया फल, फूल और मिठाई**
**सबके मुँह में आया पानी मेरे भाई।**

**उत्तर –** गुलाब जामुन

**(v) सड़क है पर गाड़ी नहीं, जंगल है पर पेड़ नहीं**
**शहर है पर घर नहीं समंदर है पर पानी नहीं।**

**उत्तर –** मानचित्र

### खोजबीन के लिए

**1. महाराणा प्रताप कौन थे? उनके बारे में इंटरनेट या पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त करके लिखिए।**

**उत्तर –** (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के एक महान योद्धा और स्वतंत्रता के प्रतीक माने जाते हैं। उनका जीवन साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम का अद्वितीय उदाहरण है।

---

**महाराणा प्रताप का संक्षिप्त जीवन परिचय**

- **पूरा नाम:** महाराणा प्रताप सिंह सिसोदिया
- **जन्म:** 9 मई 1540, कुंभलगढ़ दुर्ग, राजस्थान
- **पिता:** महाराणा उदयसिंह द्वितीय
- **माता:** रानी जयवंता बाई
- **मृत्यु:** 19 जनवरी 1597, चावंड, राजस्थान
- **वंश:** सिसोदिया राजवंश (सूर्यवंशी राजपूत)
- **राज्य:** मेवाड़ (राजस्थान)
- **राज्याभिषेक:** 1572 ई. में गोगुंदा में हुआ

eGyanarchive

### वीरता और संघर्ष

महाराणा प्रताप ने मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार करने से इनकार कर दिया और मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उनका सबसे प्रसिद्ध युद्ध **हल्दीघाटी का युद्ध** है, जो 18 जून 1576 को हुआ था। इस युद्ध में उन्होंने मुगलों की विशाल सेना का सामना किया, जिसमें उनके प्रिय घोड़े **चेतक** ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### चेतक: महाराणा प्रताप का प्रिय घोड़ा

चेतक, महाराणा प्रताप का प्रिय घोड़ा, अपनी वफादारी और वीरता के लिए प्रसिद्ध है। हल्दीघाटी के युद्ध में, जब महाराणा प्रताप घायल हो गए थे, तब चेतक ने उन्हें युद्धभूमि से सुरक्षित बाहर निकाला। इस प्रयास में चेतक गंभीर रूप से घायल हो गया और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। चेतक की यह बलिदान की कहानी आज भी लोगों के दिलों में जीवित है।

### प्रेरणा और विरासत

महाराणा प्रताप का जीवन आज भी साहस, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनकी नीतियाँ और संघर्ष स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनीं। राजस्थान और भारत के अन्य भागों में उनकी स्मृति में कई स्मारक और संस्थान स्थापित किए गए हैं।

### और अधिक जानकारी के लिए

यदि आप महाराणा प्रताप के जीवन और वीरता के बारे में और अधिक जानना चाहते हैं, तो निम्नलिखित स्रोतों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं:

- महाराणा प्रताप - विकिपीडिया
- महाराणा प्रताप का इतिहास - वेबदुनिया

**2. इस कविता में चेतक एक 'घोड़ा' है। पशु-पक्षियों पर आधारित पाँच रचनाओं को खोजिए और अपनी कक्षा की दीवार-पत्रिका पर लगाइए।**

**उत्तर –** (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

**पशु-पक्षियों पर आधारित पाँच प्रसिद्ध रचनाएँ:**

1. **चेतक की वीरता** — *श्यामनारायण पांडेय*
   - विषय: महाराणा प्रताप के वीर घोड़े 'चेतक' की बहादुरी का वर्णन।
2. **दो बैलों की कथा** — *मुंशी प्रेमचंद*
   - विषय: हीरा और मोती नामक दो बैलों की दोस्ती, संघर्ष और आत्मसम्मान की कहानी।
3. **कोयल** — *महादेवी वर्मा*
   - विषय: कोयल पक्षी की मधुरता, सौंदर्य और संवेदनशीलता को दर्शाने वाली कविता।
4. **हाथी और उसके मित्र** — *लोककथा*
   - विषय: हाथी और अन्य जानवरों की मित्रता पर आधारित शिक्षाप्रद कहानी।

5. **काक और कौआ** — *लोकसाहित्य* (कविता या कहानी)

    - विषय: कौए की चतुराई और सतर्कता को लेकर बनी रोचक कहानी या कविता।

egyanarchive